जल से संबंधित अदभुत तथ्य

श्री मुकेश कुमार शर्मा
अवर अभियन्ता (सिविल)

1- अमेरिका के नेवरास्का क्षेत्र में शीतल एवं मीठे जल की एक बहुत बड़ी नदी है । इसका जल शहद से भी अधिक मीठा है । इसे एक गिलास से अधिक पिया नहीं जा सकता । इस अदभुत नदी की खोज सन 1930 में हुई । वैज्ञानिक अभी तक इसकी असाधारण मिठास का रहस्य नहीं समझ पाये हैं ।

2- चिली तथा अर्जेंटीना देशों के बीच सीमा रेखा की तरह बहती ''रायओद विनाग्रे'' नदी के जल का स्वाद ताजे नीबू पानी जैसा खट्टा है । इसमें इच्छानुसार चीनी या नमक मिलाकर शर्बत व शीतल पेय का आनन्द लिया जा सकता है ।

3- पूर्वी अफ्रीकी में भूरे रंग के जल की ''एगारीन्यर्की'' नामक नदी का पानी बीयर जैसा स्वाद लिए है हालांकि इसमें एल्कोहल का कोई अंश नहीं पाया जाता । इसका पानी पीने वालों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नही पड़ता । बस इसका स्वादभर शराब जैसा है ।

4- अल्जीरिया में एक नदी ऐसी है जिसका जल स्याही जैसा गहरा नीला है । इससे बखूबी लिखा जा सकता है ।

5- स्पेन की ''रिओरिटो'' नदी में एक ऐसा खनिज विद्यमान है, जो हवा के सम्पर्क में आते ही पूरी नदी को लाल रंग में बदल देता है ।

6- अमेरिका में कई साबुन की झीलें हैं । इनमें से एक झील 40 फीट से भी अधिक गहरी एवं 6 एकड़ में फैली है । इस झील के पानी से साबुन की आवश्यकता भली प्रकार पूरी हो जाती है ।

7- वेस्टइंडीज के मिनिदाद नामक द्वीप में एक झील ऐसी है, जिसमें पानी की जगह तारकोल भरा है ।

8- आयलैण्ड में एक अदभुत झील है, जिसमें जो भी चीज डालो उसके चारों ओर पत्थर की एक तह बन जाती है।

9- आस्ट्रेलिया में एक ऐसी झील है जो मौसम के अनुरुप रंग बदलती है। नवम्बर-दिसम्बर में इसका रंग गहरा नीला, जून में हरा व अगस्त-सितम्बर में दूध की तरह सफेद हो जाता है।

10- हवाई द्वीप में एक ऐसी झील है जो आग उगलती है। इसे वहां के लोग आग की झील कहते हैं।

11- अफ्रीका में असाल नाम की झील समुन्द्र से भी दस गुनी अधिक खारी है। कोई जानवर यदि इसमें गिर जाये तो तुरन्त मर जाता है।

12- भारत में सांभर झील से प्रति वर्ष लगभग 2 लाख टन नमक निकाला जाता है। लेकिन जून से सितम्बर तक इसका खारापन अचानक गायब हो जाता है।

13- तिब्बत के बर्फीले यंगवजैन क्षेत्र में गर्मपानी की काफी बड़ी झील है। इसका तापमान 45 से 47 डिग्री सेण्टीग्रेड तक रहता है। तिब्बती लोग इसमें चाय गर्म करते हैं।

14- हिमाचल प्रदेश के कुल्लू मणिकर्ण क्षेत्र के पहाड़ी अंचल में पार्वती नदी के तट पर उबलते हुए जल का चश्मा है, जिसका तापमान 100 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक रहता है। तीर्थयात्री इसमें चावल, दाल व अन्य चीजें पकाते हैं।

***